ESTD : 2010

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE

Recognised by ERC NCTE, Bhubaneshwar Govt. of India (New Delhi)
Affiliated to Magadh University (Bodhgaya) & B.S.E.B (Patna)
Vill : Chitragopi, P.O. : Padrawan, P.S. : Jamhor, (A.N. Road), Distt. : Aurangabad, 824121
Fax No.: 06186-292275, E-mail Id : dprpbed@gmail.com, website : dprpbedcollege.co.in
Mob.: 94314 17884, 99558 81853

Ref : ____________ Date : ____________

शैक्षिक परिभ्रमण-2022

दशरथ प्रसाद रामनंदन पाण्डेय बी॰एड॰ कॉलेज, चित्रगोपी, औरंगाबाद के बी.एड. सत्र- 2021-23 (द्वितीय वर्ष) एवं सत्र- 2022-24 (प्रथम वर्ष) के वर्ष के छात्रों को के छात्रो को दिनांक 27 अगस्त 2022 को एक दिवसीय शैक्षिक परिभ्रमण पर अपने ही राज्य मे बोधगया, नालंदा एवं राजगीर के दर्शनीय स्थल एवं पर्यटन स्थल पर शैक्षिक उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम कॉलेज के सचिव श्री शंभूनाथ पांडे ने बच्चों को हरी झंडी दिखाकर महाविद्यालय से सुरक्षित बस द्वारा बोधगया के लिए प्रस्थान किया। सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का क्षेत्र बहुत ही व्यापक है और कर्तव्य भी बहुत अधिक है। शिक्षा प्राप्त करने के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को शैक्षिक परिभ्रमण पर जाने की आवश्यकता होती है। शैक्षिक परिभ्रमण मे जिस प्रकार आप सुरक्षित बस अनुशासन को बनाए हुए जा रहे हैं, मै आप लोगों से अपेक्षा करता हूं कि इसी तरह अनुशासन बनाए हुए पूरे शैक्षिक भ्रमण मे भी रहेंगे। इसके बाद सभी बच्चे बस में बैठे, बस यहा से सुबह 05:00 बजे मे खुली और 3 घंटे के बाद बोध गया पहुंची। बोधगया मे सभी बच्चे नाश्ता किए। नाश्ता करने के बाद पूरे बोधगया में भी पर्यटन स्थल थे। वहां पर घूम कर पुन: सुरक्षित बस नालंदा के लिए प्रस्थान किया। नालंदा विश्वविद्यालय मे सभी बच्चे भ्रमण किया। पर देखे कि किस तरह से नालंदा विश्वविद्यालय को जलाया गया है। इसके बाद सभी बच्चे दोपहर का खाना खाकर के और राजगीर के लिए प्रस्थान किया। राजगीर मे गर्म जल कुंड, शांति स्तूप , रोपवे , विभिन्न स्थानो पर जा कर के बच्चो ने आनंद लिया। रात 8:00 बजे सभी बच्चो ने रात्रि का भोजन किया, उसके बाद बस वापस महाविद्यालय के लिए प्रस्थान किया।

यह परिभ्रमण कॉलेज के शिक्षक चन्दन कुमार एवं मिलेश कुमार दुबे की देखरेख मे सम्पन्न किया गया।

IQAC
D.P.R.P. B.Ed. College
Chitragopi, Aurangabad

Principal
D.P.R.P. B.Ed. College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

* शैक्षणिक परिभ्रमण पर रवाना होते हुए *

IQAC
D.P.R.P. B.Ed. College
Chitragopi, Aurangabad

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

EDUCATIONAL TOUR FOR NALANDA,RAJGIR,BODHGAYA

IQAC
D.P.R.P. B.Ed. College
Chitragopi, Aurangabad

Principal
D.P.R.P. B.Ed College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

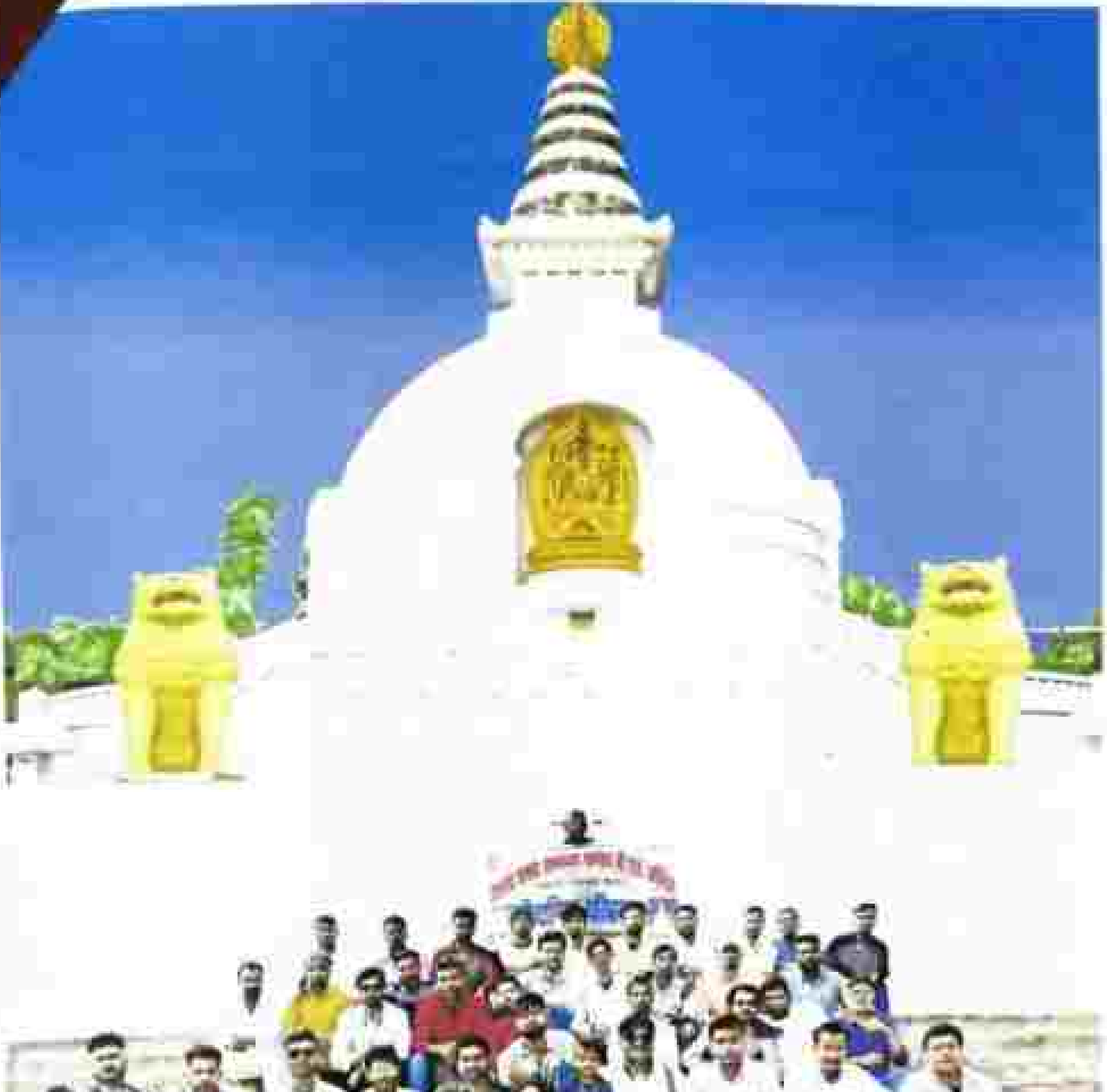

Vishwa Shanti Stupa Rajgir

Scanned with OKEN Scanner

Estd.: 2010

4116

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE

(B.Ed. & D.El. Ed.)

Vill- Chitragopi, P.O.- Padrawan, P.S. Jamhor
Dist-Aurangabad - 824121 (Bihar)
Mob. 9431417084 , 7004009389
Web : www.dprpbedcollege.co.in
E-mail ID : dprpbed@gmail.com

Recognised From ERC-NCTE, Bhubaneswar Govt. of India, New Delhi
Affiliated to Magadh University (Bodh Gaya) & B.S.E.B.Patna

ASSIGNMENT BOOK

Name of the candidate: ARCHANA JAISHWAL

Roll No: 46 Section: A 2nd year

Course: B.Ed Session: 2021-23

Subject: EPC-4 Understanding The Self

Scanned with OKEN Scanner

INDEX

Sl. No.	PARTICULARS/DESCRIPTION	Page No.
Q1.	कम्प्यूटर के गुण एवं क्षेत्रों को विस्तार पूर्वक वर्णन करें।	01-06
Q2.	Computer & Its Simple Programming से आप क्या समझते हैं?	07-12
Q3.	कम्प्यूटर में प्रयुक्त होने वाली ऑपरेटिंग सिस्टम का विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।	13-18
Q4.	इन्टरनेट से आप क्या समझते हैं? शिक्षा के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता का वर्णन करें।	19-24
Q5.	कम्प्यूटर की उपयोगिता का वर्णन करें।	25-30

Signature of Supervisor

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नोत्तर - क्र.1

कम्प्यूटर के गुण

(Properties of Computer)

→ कंप्यूटर के कुछ विशेष गुण होते हैं, जो इसे अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से अलग करते हैं। हर एक कंप्यूटर में उनके आकार और क्षमता के अनुसार विशेष गुण होते हैं लेकिन कुछ गुण ऐसे भी होते हैं जो सभी कंप्यूटर में समान होते हैं। जैसे - गति, भण्डारण क्षमता, शुद्धता, स्वचालन और बहु - उपयोगिता।

• गति (Speed) - सभी गुणों में कम्प्यूटर का सबसे बड़ा गुण गति होता है। वास्तव में कंप्यूटर का निर्माण ही कार्यों को जल्दी पूरा करने के लिए बनाया गया है। यह कठिन से कठिन गणनाएँ भी नैनो सैकेण्ड में पूरा कर लेता है।

- भंडारण क्षमता (Storage Capacity)-
जिस प्रकार हम घटनाओं और दूसरों को अपने दिमाग में याद रखते है, उसी प्रकार कंप्यूटर के पास भी सूचनाओं और आँकड़ो को याद रखने की क्षमता होती है। मानव अपने द्वारा याद किए आँकड़े भूल सकते है, लेकिन कम्प्यूटर आँकड़ों को कभी नहीं भूलता। जब तक की उसे डिलीट नहीं किया जाये।
- शुद्धता (Accuracy)—
कम्प्यूटर की सबसे बड़ी विशेषता होती है, शुद्धता। कम्प्यूटर तब तक शुद्ध परिणाम देता है, जब तक इसे गलत इनपुट न दिया जाये, यह हमेशा सही आउटपुट देता है इसमें कोई गलती नहीं होती है।
- स्वचालन (Automation)—
कम्प्यूटर के गुणों में से

Scanned with OKEN Scanner

यह भी एक गुण है - स्वचालन। एक निश्चित आदेश देने के बाद कम्प्यूटर स्वत: अपना काम करता रहता है, जब तक उसे रुकने का आदेश न मिले।

- बहु - उपयोगिता (Versatility) — बहु - उपयोगिता कोई गुण नहीं है लेकिन कम्प्यूटर के विशेष गुण होने की वजह से इसकी उपयोगिता बहुत बढ़ गयी है। जैसे - बैंक, दुकान, अस्पताल, रेलवे - स्टेशन आदि स्थानों पर कम्प्यूटर लगे होते हैं। कंप्यूटर के क्षेत्र उपयोगिता के कारण ही कम्प्यूटर आधुनिक समाज का विशिष्ट यन्त्र बना हुआ है। कम्प्यूटर के विभिन्न उपयोग क्षेत्र निम्न हैं —

1. शिक्षा — सर्वप्रथम कम्प्यूटरों का उपयोग गणित के क्षेत्र तथा कठिन प्रश्नों को हल करने में होता था। फिर कम्प्यूटरों की उपयोगिता बढ़ती गई एवं कीमतें

सच्ची गई कल्पनाएँ अब
कम्प्यूटर की पढ़ाई प्राथमिक
स्कूलों में शुरू हो गई
है। उच्च शिक्षा के
क्षेत्रों में तो इसका
उपयोग हो ही रहा है,
विद्यार्थी की शिक्षा देने में
भी कम्प्यूटर का सीधा
प्रयोग हो रहा है।
यहाँ कम्प्यूटर शिक्षक का
पूरक होता है। शिक्षक
द्वारा बनाए गए पाठों
को विद्यार्थी कम्प्यूटर पर
बार-बार देखकर, विश्लेषित
कर विषय को भली-भाँति
समझ सकते हैं।

2. सरकारी प्रशासन — सरकार की
उदारीकरण की नीति के
अन्तर्गत भारत में कम्प्यूटर
का उपयोग तथा कम्प्यूटरीकरण
की गति में विगत कुछ
वर्षों से काफी जोर
पकड़ा है। सरकारी क्षेत्र
के विभिन्न प्रतिष्ठान, जैसे-
उद्योग, बैंक, जीवन बीमा,
जल, वायु, रेल एवं अनेक

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chiragopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist - Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El.Ed.)

परिवहन, विद्युत उत्पादन आदि में लगी खराब हो कम्प्यूटर का उपयोग हो सकता है।

3. परिवहन – भारत में परिवहन के प्रकार एवं संप्रेषण हैं – वायु परिवहन, रेल परिवहन, एवं सड़क परिवहन।

- हवाई जहाजों में यात्री सीटों का आरक्षण कम्प्यूटर द्वारा ही होता है।
- रेलों के प्रबन्ध कार्य एवं आरक्षण कार्य कम्प्यूटर की सहायता से किया जाता है।

4. संचार – कुछ वर्षों पूर्व दिल्ली में एक सूचना प्रणाली शुरू हुई है, जिसे टेलीटेक्स्ट कहते हैं। इस सुविधा के अंतर्गत हम घरेलू टेलीविजन सेट का ही प्रयोग कर, एक केन्द्रीकृत कम्प्यूटर में संचित विवरणों को प्राप्त कर सकते हैं। टेलीटेक्स्ट के द्वारा रेलों का आवागमन, विमान सेवाओं का समय,

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chitragopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist.-Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El.Ed.)

प्रमुख कम्पनियों के शेयर का भाव, विदेशी मुद्रा की विनिमय दर, बाजार में उपलब्ध ऋण-पत्र जैसे विवरण प्राप्त कर सकते हैं।

5. व्यापार तथा वाणिज्य –

(i) बैंक – बैंकों में ग्राहक का खाता रखना, खातों में जमा राशि की सूचना देना, स्टेटमेन्ट बनाना, चैकों की क्लियरिंग आदि काम कम्प्यूटर करते हैं।

(ii) विद्युत – सभी राज्यों के विद्युत मण्डल राज्य में फैले लाखों विद्युत उपभोक्ताओं को कम्प्यूटर के माध्यम से बनाये गए बिलों का वितरण करते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नोत्तर - 06

कम्प्यूटर [Computer]

कम्प्यूटर एक अंग्रेजी शब्द है जो लैटिन भाषा के शब्द Computare से बना है जिसका अर्थ होता है गणना करना। अतः कम्प्यूटर गणना करने वाली एक ऐसी मशीन है जो हमारे द्वारा उपलब्ध करवाये हुए आंकड़ो को संग्रहित करके गणना करता है और परिणाम को प्रदर्शित करता है। कम्प्यूटर को इलेक्ट्रॉनिक मस्तिष्क कहा जाता है।

• वर्तमान में कम्प्यूटर को विज्ञान और तकनीकी द्वारा मानव जाति को दिया जाने वाला सबसे अमूल्य उपहार कहा जाता है। इसने हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में एक अद्भुत चमत्कार ला दिया है। कम्प्यूटर मानव के रोजमर्रा जीवन का

Scanned with OKEN Scanner

अभिन्न अंग बन चुका है। कम्प्यूटर शिक्षा का प्रमुख स्रोत है। शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका प्रयोग वास्तविक शिक्षण कार्यों के अतिरिक्त शिक्षा के और अन्य सभी क्रिया-कलापों के उचित व्यवस्थापन और प्रबन्ध हेतु जोर-शोर से किया जा रहा है।

एन० एस० हानवार्ड के शब्दों में "कम्प्यूटर ऐसा विद्युत चालित उपकरण है जो डिस्क या चुम्बकीय टेप पर सूचना संकलित करता है।"

उदाहरण शब्दों में हम कह सकते हैं कि कम्प्यूटर ऐसी यान्त्रिक विधि है जो अत्यधिक सूचनाओं का संकलन करती है और बहुत ही कम समय में उनकी विशिष्ट रूप से व्यवस्था करके आवश्यकतानुसार उनका प्रस्तुतीकरण करती है।

कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग

प्रोग्रामिंग को कम्प्यूटर के भाषा में सैट ऑफ इंस्ट्रक्शन कहते हैं जिसमें प्रोग्राम और डेवलपर के द्वारा किसी भी प्रकार के डिजाइन एवं डेवलपमेंट के लिए जो कोडिंग किया जाता है उसको करने के लिए एक प्रोग्रामर की आवश्यकता होती है और प्रोग्राम उनके द्वारा कंप्यूटर में प्रोग्रामिंग करने के लिए अलग - अलग प्रकार के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके प्रोग्रामिंग किया जाता है।

• उदाहरण के लिए एक छोटे से दुकान के लिए सॉफ्टवेयर अभि तैयार करना है जिसमें उस दुकान के जितने भी सेल और परचेज होता है उसके डाटा को व्यवस्थित करना हो तो उसके

लिए एक प्रोग्रामर के द्वारा सॉफ्टवेयर को तैयार किया जाता है। जिसमें उस दुकान के जरूरत के हिसाब से कोडिंग प्रोग्रामिंग डिजाइनिंग किया जाता है।

- Computer Programming के द्वारा ही कोई भी सॉफ्टवेयर को डिजाइन एंड डेवलप किया जाता है जिसमें जिस तरह का भी कोडिंग का उपयोग किया जाता है वह कोडिंग जितना ही अच्छे तरह से इस्तेमाल किया जाता है उतना ही बेहतर सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर काम को करता है।
- प्रोग्रामिंग करने के लिए किसी भी प्रकार के सॉफ्टवेयर या किसी प्रकार के Computer प्रोसेसर को तैयार किया जाता है।

Scanned with OKEN Scanner

3 लैंग्वेज के प्रकार

- Machine language
- Assembly language
- High - level language

1. मशीन लैंग्वेज — यह एक प्रोग्रामिंग लैंग्वेज है जो कम्प्यूटर के सबसे मुख्य भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। मशीन लैंग्वेज में मशीन कोड में लिखी गई भाषाओं के रूप में स्थापित है और इसमें जीरो और एक बायनरी नंबर (Binary number) का उपयोग किया जाता है।

2. असेंबली लैंग्वेज — यह एक computer के प्रोग्रामिंग का भाषा है जिसमें गणितीय संकेतों के स्थान पर निमोनिक्स कोड का इस्तेमाल किया जाता है और असेंबली लैंग्वेज में डाटा को ठीक करने के लिए असेंबलर की आवश्यकता होती है।

5. हाई लेवल लैंग्वेज — Computer केवल मशीन लैंग्वेज को ही समझता है। मशीन लैंग्वेज के अलावा जितने भी भाषा का उपयोग Computer के सिस्टम में किया जाता है उसको समझने के लिए Computer को एक इंटरप्रेटर और ट्रांसलेटर की मदद से उस भाषा को मशीन के भाषा में बदलना पड़ता है।

प्रश्नोत्तर - पृ.3

प्र. ऑपरेटिंग सिस्टम
[Operating System (OS)]

→ Operating System (OS) एक सॉफ्टवेयर होता है जो कि कंप्यूटर तथा यूजर के मध्य Interface की तरह कार्य करता है। इसे System Software कहते हैं।

- Operating System निर्देशों का समूह होता है जो कि स्टोरेज डिवाइस में स्टोर रहता है। यह Programs का समूह होता है जो कि कम्प्यूटर के resources तथा Operations को manage करता है।
- OS, कंप्यूटर में लोड होने वाला यह पहला प्रोग्राम होता है। इसे Program of Programs भी कहते हैं।
- OS कंप्यूटर के सभी Operations को manage करता है।

• Operating system के दो प्रकार के होते हैं —

1. Character user interface (CUI)
2. Graphical user interface (GUI)

1. Character user interface (CUI) —
→ CUI, user-friendly नहीं होता है और इस OS को चलाने के लिए हमेशा Command को type करना पड़ता है।
जैसे - DOS एक CUI ऑपरेटिंग सिस्टम है।

2. Graphical user interface (GUI) —
→ GUI, operating system user-friendly होता है और इस OS को चलाने के लिए Command नहीं देनी पड़ती है बल्कि जिस Program को open करना है उसको mouse से क्लिक करना पड़ता है।
जैसे विंडोज एक GUI ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) है।

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chinagopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist - Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El. Ed.)

- OS या कोई अन्य प्रोग्राम्स तथा एप्लिकेशन्स को run कराना होता है तथा यह कंप्यूटर के हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर के मध्य bridge की तरह कार्य करता है।
- बिना OS के एक कंप्यूटर Useless (बेकार) होता है।
- Multitask Operating System में एक ही समय पर बहुत सारे Programs run हो जाते हैं और O.S यह निर्धारित करता है कि कौन सा प्रोग्राम कब run होगा और कितने समय के लिए run होगा।

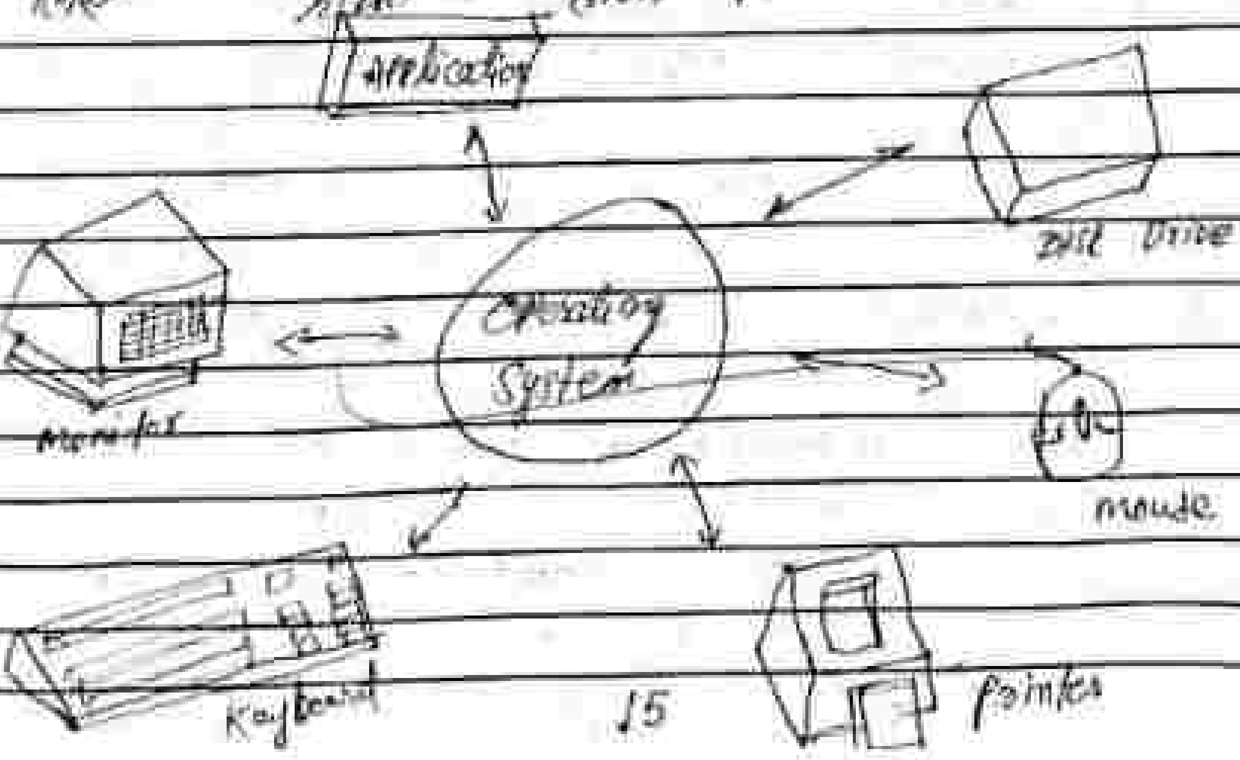

ऑपरेटिंग सिस्टम की विशेषताएं (Characteristics of operating system)

→ इसकी characteristics निम्नलिखित है –

- Memory management :– OS मैमोरी को प्रबंधित करता है। यह Primary memory की पूरी जानकारी रखता है और देखता है कि memory के कौन से हिस्से का use किस प्रोग्राम ने किया है। जब भी कोई प्रोग्राम request करता है तो उसे मैमोरी allocate करता है।

- Processor management :– यह प्रोग्राम को Processor (CPU) allocate करता है और जब किसी प्रोग्राम को CPU की जरूरत खत्म हो जाती है तो इसे de allocate भी करता है।

- Device management :– OS सभी डिवाइस की जानकारी रखता है। इसे I/O Controller भी कहते हैं। OS यह भी

निर्णय होता है कि किस Program को कौन सी डिवाइस दी जाएँ, कब दी जाएँ तथा कितने समय के लिए दी जाएँ।

• File management :- यह resources को allocate तथा deallocate करता है तथा यह निर्णय लेता है कि किस प्रोग्राम को resources दी जाएँ अर्थात् allocate की जाए।

• Security :- यह किसी भी प्रोग्राम या डेटा को Unauthorized एक्सेस से बचाता है। इसमें Password तथा अन्य तकनीकि का इस्तेमाल किया जाता है।

• Reliability :- यह बहुत ही reliable होता है क्योंकि इसमें किसी भी Virus तथा हानिकारक Codes को detect किया जा सकता है।

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Vill-Chitragopi, P.O.-Padrawan, P.S. Jamhor,
Dist.- Aurangabad - 824121 (Bihar) Mob.: 9431417084
(B.Ed. & D.El.Ed.)

- Cost :— operating system की cost इसके features के आधार पर निर्धारित होता है। जैसे - Windows की cost 100 $ के आस पास होता है जबकि DOS तथा UNIX ऑपरेटिंग सिस्टम free है।

- ease of use :— वहीं आसानी से use किया जा सकता है क्योंकि इसमें GUI इंटरफेस भी होता है।

Scanned with OKEN Scanner

प्रश्नोत्तर - Q4

इण्टरनेट (Internet)

यह एक अत्याधुनिक संचार प्रौद्योगिकी है। इण्टरनेट प्रक्रिया में एक साथ करोड़ो कम्प्यूटर एक नेटवर्क में जुड़े रहते हैं। साधारणतया: इण्टरनेट कम्प्यूटरों के विश्वव्यापी की नेटवर्क के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। जिसमें आदान - प्रदान नियमों के जरिए कार्य करते हैं।

इण्टरनेट प्रक्रिया का वर्णन बिल्कुल ऐसा ही है, जैसे किसी नगर का वर्णन करना। यह कोई साफ्टवेयर नहीं है, न यह कोई प्रोग्राम है। इण्टरनेट कोई हार्डवेयर भी नहीं है, वास्तव में यह तो एक ऐसा स्थान है जहाँ हमें अनेक प्रकार की लौकिक जानकारियाँ तथा सूचनायें प्राप्त होती हैं।

यदि आप किसी अवधारणा के बारे में अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए नवीनतम सूचनाएं एकत्र करना चाहते हैं, आप क्या करेंगे? पारंपरिक तरीका पुस्तकालय से किताब देखने का है। लेकिन आज इन्टरनेट आपको वांछित सूचनाएं उपलब्ध कराता है। इसी प्रकार से यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे कोई ऑनलाइन लेक्चर लें आपको इसके लिए इन्टरनेट की आवश्यकता होगी। इसलिए, इन्टरनेट पर शैक्षिक क्षेत्र के लिए कई विकल्प हैं।

इन्टरनेट किसी कम्प्यूटर को दुनिया के किसी भी दूसरे कम्प्यूटर से समर्पित राउटर तथा सर्वर के द्वारा जोड़ने का माध्यम है। जब दो कम्प्यूटर इन्टरनेट द्वारा जुड़ते हैं तो वे सभी प्रकार की सूचना भेज तथा प्राप्त

कर सकते हैं, जैसे कि टेक्स्ट, ग्राफिक्स, वॉइस, वीडियो तथा कम्प्यूटर कार्यक्रम।"

अतः इन्टरनेट कम्प्यूटरों का एक विकेन्द्रीकृत वैश्विक नेटवर्क है। दूसरे शब्दों में इन्टरनेट आपस में जुड़े कम्प्यूटर के नेटवर्किंग (विश्वव्यापी) का एक ऐसा जाल है जो आम लोगों के लिए पहुँच में है। आपस में जुड़े हुए कम्प्यूटर एक विशेष प्रकार के पैकेट स्विचिंग के द्वारा प्रसारित करते हैं जिसे इन्टरनेट प्रोटोकॉल अथवा आई पी (IP) कहा जाता है। जबकि वर्ल्ड वाइड वेब दस्तावेजों का एक संग्रह है जिस तक आप इंटरनेट तथा वेब सर्चिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग कर पहुँच सकते हैं।

इन्टरनेट पर वेब में प्रत्येक विषय-वस्तु उपलब्ध होती है। इसलिए, www की सेवा में दस्तावेजों का एक

संग्रह है तथा ये दस्तावेज वेब पेज कहलाते हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि 'वर्ल्ड वाइड वेब' WWW इन्टरनेट द्वारा दी जा रही एक सेवा है। इन्टरनेट सर्वर एक विशेष रूप से निर्मित कम्प्यूटर है जिसे चयनित उच्च गुणवत्ता वाले हिस्सों से तैयार किया गया है और जिसमें अत्यधिक सहनशक्ति हो तथा निरन्तर उच्च कार्य भार सह सके तथा इन्टरनेट से जुड़ा हुआ है (http. www. iitk. ac. in)। कम्प्यूटर पर अवस्थित वेबसाइट इन्टरनेट सर्वर कहलाते हैं।

इन्टरनेट के शिक्षा में उपयोग (Use of Internet in Education)

इन्टरनेट के शिक्षा में निम्नलिखित उपयोग है

1. इन्टरनेट विभिन्न प्रसंगों तथा समसामयिक घटनाओं के विषय में अद्यतन सूचनाएँ

से प्रश्न करने में सहायता करता है।

2 यह छात्रों, शिक्षकों तथा मित्रों समूह में संवाद हेतु तेज गति सरल करने में सहायता करता है।

3 इन्टरनेट विभिन्न अधिगम सामग्रियों तथा विषयवस्तुओं को साझा करने तथा उस तक पहुँच में सहायता करता है।

4 इन्टरनेट ऑनलाइन शिक्षण तथा अधिगम में सहायता करता है।

5 इन्टरनेट शिक्षकों को अपने ज्ञान के अभिपूरित करने में सहायता करता है।

6 इन्टरनेट संवादमूलक तथा सहयोगपूर्ण शिक्षण हेतु आयोजित करने में सहायता करता है।

7 इन्टरनेट विभिन्न प्रारूपों में असीमित मात्रा में सूचना उपलब्ध कराता है जैसे कि टेक्स्ट, ऑडियो, वीडियो, आदि।

8 इन्टरनेट शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की लागत में कम

करने में सहायता करता है।

9. इन्टरनेट छात्रों के कौशल्य को बढ़ाने में सहायता करता है।

10. इससे विश्व में किसी भी देश में बैठे - बैठे घर में ही शैक्षिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

प्रश्नोत्तर - 25

दस हजार वर्षों में विज्ञान ने मानव जीवन को पूर्णतः परिवर्तित कर दिया है। परन्तु दस हजार वर्षों में से जितना परिवर्तन पहले 9900 वर्ष में नहीं हो पाया था जितना परिवर्तन केवल अन्तिम 100 वर्षों में हो गया। इसी प्रकार पूर्ण बीसवीं शताब्दी में जो विकास और परिवर्तन उपस्थित हुए हैं उनमें से अन्तिम दशक में हुए परिवर्तन ही अधिक महत्वपूर्ण है। अभिप्राय यह है कि विज्ञान के विकास की गति तीव्र से तीव्रतर होती जा रही है। पिछले 150 वर्षों में वैज्ञानिक अनुसंधानों और आविष्कारों में सबसे अधिक महत्वपूर्ण आविष्कार कम्प्यूटर का ही है। पिछले कुछ वर्षों में तो

इस यन्त्र का उपयोग जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में इतना अधिक हो गया है कि किसी भी प्रयोगशाला, उद्योग, अनुसंधान केन्द्र यहाँ तक कि आधुनिक कार्यालय और विभाग के कम्प्यूटर विहीन होने की कल्पना ही नहीं की जा सकती।

- आधुनिक कम्प्यूटर की योजना चार्ल्स बैबेज (1792 - 1871) ने की थी। परन्तु इसका उल्लेखनीय उपयोग सबसे पहले अमेरिका के विद्वान हरमान हॉलरिथ ने किया था। इसके बाद कम्प्यूटर को पहली बार द्वितीय विश्वयुद्ध के समय बिजली से चलाने की कला का विकास हुआ।

- विकास करते - करते आधुनिक रूप में कम्प्यूटर एक बहु - आयामी और बहु - उपयोगी यंत्र बन चुका है।

कम्प्यूटर एक ऐसा यन्त्र है जिसमें गणित सम्बन्धी सूत्रों तथा विभिन्न तथ्यों को सूत्र रूप में भर दिया जाता है और जो आशातीत गति से विभिन्न समस्याओं और गणनाओं को सुलझा सकने में समर्थ है। कभी - कभी मानव द्वारा बनाये गए इस यंत्र की कार्यक्षमता एवं तीव्रगति को देखकर आश्चर्य होता है।

सार्वजनिक क्षेत्रों में कम्प्यूटर के उपयोग — वैसे तो कम्प्यूटर अब धीरे - धीरे हमारे जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रवेश करता जा रहा है। हम अपनी विभिन्न गतिविधियों के लिए कम्प्यूटर पर अधिक - से - अधिक आश्रित होते जा रहे हैं, फिर भी सुविधा के लिए इसके विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों में उपयोग का विस्तार से

Scanned with OKEN Scanner

अध्ययन कर लेना अच्छा रहेगा।

1. गणना एवं सूचना - संग्रह (बैंकिंग) - अब तक बैंकों में खातों का हिसाब रखने का काम लिपिकों द्वारा खाता पृष्ठों पर किया जाता था परन्तु अब खाता पृष्ठों और किताबों के बनाने और सुरक्षित रखने की आवश्यकता नहीं है। अब इन्हें कम्प्यूटरों में भर कर सुरक्षित भी रखा जा सकता है और उनसे गणनाएं भी त्वरिता से की जा सकती है। कम्प्यूटर की इस क्षमता का उपयोग कर बड़ी - बड़ी परीक्षा संस्थाओं (जैसे यू० पी० बोर्ड एवं विश्व विद्यालय आदि) परीक्षा - फल थोड़े ही समय में तैयार कर लेते हैं। गणनाओं के संचय और उपयोग की क्षमता से ही अब चुनाव परिणामों को कम्प्यूटरीकृत मशीनों द्वारा अल्पकाल में ही प्राप्त

किया जा सकता है।

2. सिमला तकनीक के क्षेत्र में आज कम्प्यूटर द्वारा देश-विदेश की सूचनाओं को तीव्रगति से प्रेषित एवं संकलित किया जा सकता है। अन्तरिक्ष यानों एवं उपग्रहों में स्थापित विभिन्न अनुसंधान संयन्त्रों द्वारा प्रेषित बड़ी-बड़ी सूचनाएं एवं गणनाएं अब क्षणों में एक स्थान से दूसरे स्थान को प्रेषित की जा रही हैं।

3. मुद्रण एवं प्रकाशन — कम्प्यूटर द्वारा संचालित फोटो कम्पोजिंग मशीन ने पत्र-पत्रिकाओं और पुस्तक प्रकाशन के कार्य को तीव्रगति एवं सुविधा प्रदान की है। पहले छापेखानों में एक-एक अक्षर को टाइप एकत्र कर जो कम्पोजिंग किया जाता था अब उसकी आवश्यकता नहीं रही। अब तो चुम्बकीय डिस्क में सामग्री भर कर उसका क्षणों में कम्पोजिंग

और मुद्रण होता है। इतना ही नहीं और अक्षर ही नहीं, बल्कि कम्प्यूटर द्वारा चित्रों आदि की छपाई भी सरल हो गयी है।

4. कला, संगीत एवं डिजाइनिंग के क्षेत्र में कम्प्यूटर — अब उद्योग और समृद्धि के लिए ही नहीं, कला, संगीत और डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी मनुष्य को सहयोग दे रहा है। कलाकार कम्प्यूटर की सहायता से अपने चित्र डिजाइन और रंगों तक का उचित समायोजन कर सकते हैं।

THEORY COURSE BY PROJECTOR

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitagoi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

LEARNING ENHANCEMENT

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chenegaon, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

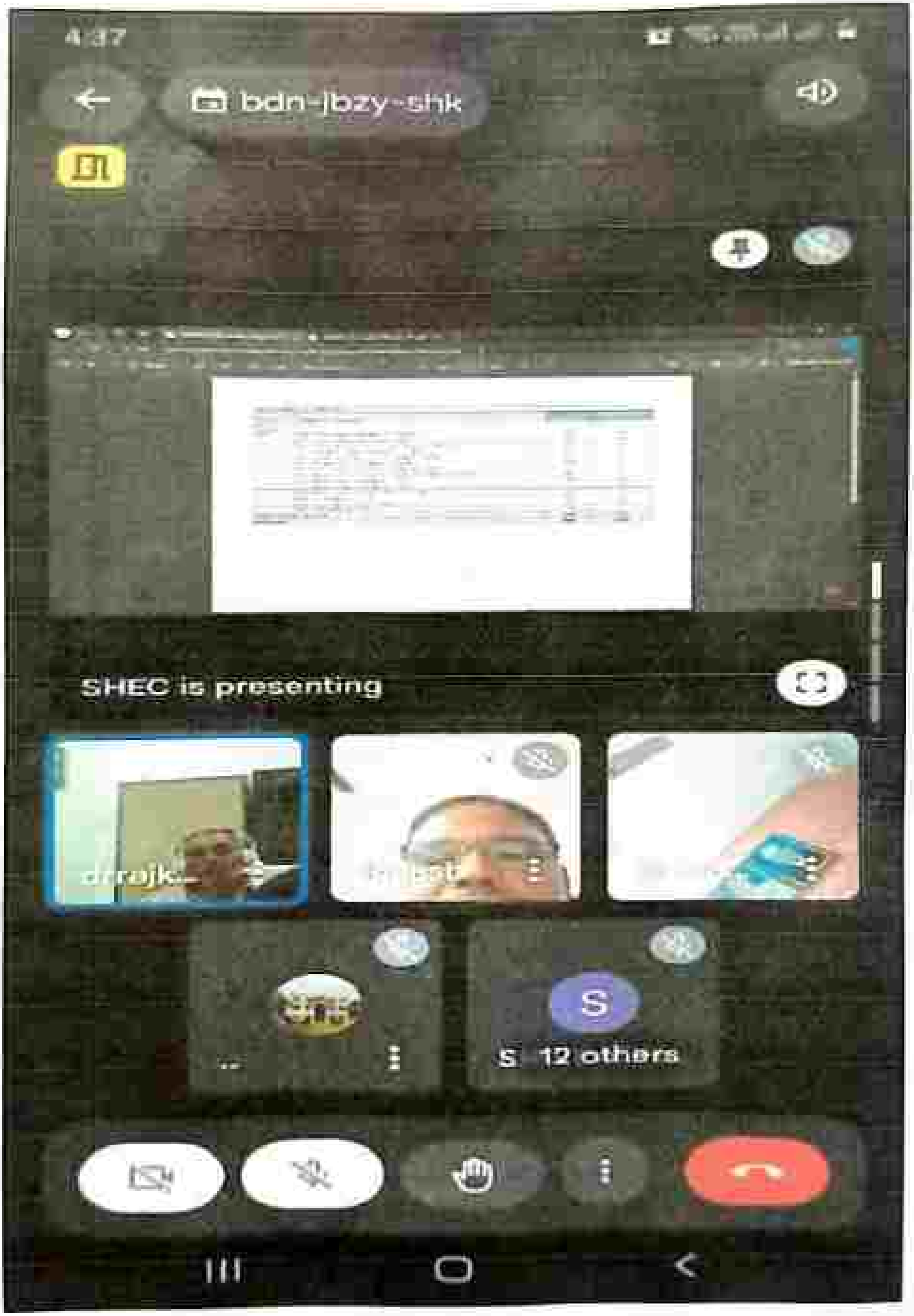

Scanned with OKEN Scanner

452-DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE
Chitragopi, Aurangabad Bihar- 824121

प्रथम आंतरिक परीक्षा 2022 Course- 7(b) ____________

Time:- 2 :30 Hours **B.Ed. 2nd Year** F.M= 40

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। 5x8=40

1. शिक्षण सूत्र से आप क्या समझते है? .... के किन्हीं एक शिक्षण सूत्र को विस्तार से लिखें।

2. पाठ्यपुस्तक क्या है? एक अच्छी पाठ्यपुस्तक की विशेषताओं की विवेचना करें।

3. ____________का अर्थ एवं परिभाषा लिखे। वाणिज्य शिक्षण का अन्य विषयों के साथ सह–सम्बन्ध की विवेचना कीजिए।

4. श्रव्य–दृश्य सामग्री के प्रकारों की व्याख्या कीजिए। ____________में किन्हीं दो डिजिटल एवं नन–डिजिटल श्रव्य–दृश्य सामग्री की उपयोगिता की विवेचना कीजिए।

5. वाद–विवाद से आप क्या समझते है? इस विधि के गुण एव दोषों को उदाहरण सहित लिखिए।

6. अवलोकन से आप क्या समझते है? अवलोकन के द्वारा अधिगम की प्रक्रिया को विस्तार से चर्चा कीजिए।

7. ____________की विधियों का वर्णन कीजिए। किन्हीं दो शिक्षण विधियों को विस्तार से लिखें।

8. मुल्यांकन को परिभाषित कीजिए। अच्छे मुल्यांकन की विशेषताओं को लिखिए।

9. पाठ्योजना क्या है? ____________विषय की किसी एक पाठ्योजना का प्रारूप तैयार करें।

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY B.Ed. COLLEGE

VILL-CHITRAGOPI ,PO-PADRAWA,P.S.-JAMHOR,DIST-AURANGABAD(BIHAR)

पूर्व वार्षिक परीक्षा 2022 B.Ed 2nd year (सत्र-2020-22)

Course:-8 Knowledge and Curriculum

समय 3 घंटा | किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। | पूर्णांक 80

खण्ड –अ

किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें। (20×3=60)

1 ज्ञान से आप क्या समझते हैं? ज्ञान के विभिन्न प्रकारों का वर्णन करें।

2 ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया में [illegible] के योगदान की विवेचना कीजिए।

3 ज्ञान निर्माण के विभिन्न सिद्धान्तों का वर्णन करें।

4 पाठ्यक्रम की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषा लिखें।

5 पाठ्यक्रम निर्माण के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या करें।

6 विद्यालयों में पाठ्यचर्या की आवश्यकता एवं महत्त्व का वर्णन करें।

7 शैक्षिक उद्देश्यों के निर्धारण के विभिन्न आधारों का उल्लेख करें।

8 भारतीय संविधान में वर्णित शिक्षा सम्बन्धी प्रावधानों का वर्णन करें।

खण्ड ब – किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दें। (5×4=20)

9 सूचना और ज्ञान में अन्तर स्पष्ट करें।

10 मूर्त और अमूर्त ज्ञान में अन्तर बतायें।

11 पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक के संबंध बताइए।

12 अच्छे पाठ्यक्रम की विशेषताओं का वर्णन करें।

13 NCF 2000 के अनुसार शिक्षण के सामान्य उद्देश्यों का [illegible]।

14 गांधीजी द्वारा बताए शैक्षिक विचार लिखें।

15 पाठ्य-पुस्तकों की आवश्यकता एवं महत्त्व बताएँ।

Scanned with OKEN Scanner

Dashrath Prasad Ramnandan Pandey B.Ed. College

Chilmanpur, Aurangabad (Bihar) 824121

पूर्व वार्षिक परीक्षा 2022

Time:- 3Hrs. **Course:-09 Assessment for Learning** Full Marks:- 80

किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें। **3X10=30**

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]

निम्नलिखित पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर दें। **5X8=40**

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]
6. [illegible]
7. [illegible]
8. [illegible]

निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर दें :- **10X1=10**

1. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
2. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
3. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
4. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible]
   (c) [illegible] (d) [illegible]
5. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
6. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
7. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
8. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
9. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]
10. [illegible]
   (a) [illegible] (b) [illegible] (c) [illegible] (d) [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

Dashrath Prasad Ramnandan Pandey B.Ed. College

Chirragoon, Aurangabad, (Bihar) 824121

पूर्व वार्षिक परीक्षा 2022

Time:- 2Hrs **Course:-10 Creating an Inclusive School** Full Marks:- 40

[illegible] 3X5=15

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]

[illegible] 5X3=15

1. [illegible]
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]
6. [illegible]
7. [illegible]
8. [illegible]

[illegible] 10X1=10

1. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
2. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
3. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
4. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
5. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
6. [illegible]
   a. 20/70 b. 20/200 c. 20/40 d. 20/30
7. [illegible]
   a. [illegible] b. 40dB-50dB c. 70dB-90dB d. [illegible]
8. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
9. [illegible]
   a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]
10. [illegible]
    a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

Dashrath Prasad Ramnandan Pandey B.Ed. College

Charagopi, Aurangabad, (Bihar) [illegible]

पूर्व वार्षिक परीक्षा 2022

Time:- 2Hrs **Course:- II Health and Physical Education** Full Marks:-40

किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दें। **3X5=15**

1. शारीरिक शिक्षा क्या है? इसके उद्देश्य व महत्व पर प्रकाश डालें।
2. स्वास्थ्य शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं आवश्यकता का वर्णन करें।
3. योगा का अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताओं का वर्णन करें।
4. पौष्टिक आहार क्या है? एक सामान्य व्यक्ति के लिए संतुलित आहार तालिका बनाएं।
5. किन्हीं तीन खेलों की विधि एवं विशेषताओं का वर्णन करें।

a. फुटबाल b. टेबल टेनिस c. बैडमिंटन d. बास्केटबॉल e. क्रिकेट

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दें। **5X3=15**

1. प्राणायाम के प्रकार, विधि एवं लाभ का वर्णन करें।
2. ध्यान के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डालें।
3. स्वास्थ्य ही जीवन है। [illegible]
4. विद्यालय में स्वास्थ्य [illegible]
5. [illegible]
6. शारीरिक फिटनेस से क्या समझते हैं? इसके प्रमुख घटकों का संक्षिप्त वर्णन करें।
7. [illegible]
8. किन्हीं दो योगासन का संक्षिप्त वर्णन करें।

सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उत्तर दें। **10X1=10**

1. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कब मनाया जाता है?

a. [illegible] जून b. [illegible] जून c. [illegible] जून d. [illegible] जून

2. [illegible]

a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]

3. [illegible]

a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. इनमें से कोई नहीं

4. [illegible]

a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]

5. [illegible]

a. 1991-92 b. 1990-91 c. 1992-93 d. 1989-90

6. [illegible]

a. विटामिन [illegible] b. विटामिन [illegible] c. विटामिन [illegible] d. विटामिन [illegible]

7. [illegible]

a. विटामिन [illegible] b. विटामिन [illegible] c. विटामिन [illegible] d. इनमें से कोई नहीं

8. [illegible]

a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]

9. [illegible]

a. [illegible] b. [illegible] c. 12 d. [illegible]

10. [illegible]

a. [illegible] b. [illegible] c. [illegible] d. [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

Magadh University, Bodh Gaya

वार्षिक परीक्षा-2022

बी०एड० द्वितीय वर्ष- EPC-04

समय- 02:30 घंटे

पूर्णांक-40

(खण्ड-क)

किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दें। 7½x2=15

1. [illegible]
2. [illegible] की स्थिति को स्पष्ट कीजिए।
3. [illegible] एक [illegible] की [illegible] कीजिए।
4. [illegible] से आप क्या समझते हैं? इसकी विशेषताओं का वर्णन करें।

(खण्ड-ख)

5x3=15

किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

5. [illegible] से आप क्या समझते हैं?
6. एक आदर्श शिक्षक में [illegible] होने चाहिए?
7. [illegible] को परिभाषित करें।
8. [illegible] की विधियों का वर्णन करें।
9. [illegible] क्या है? इसके प्रकार लिखें।

(खण्ड-ग)

किन्हीं 10 प्रश्नों का उत्तर दें।

1x10=10

(1) [illegible] क्या है।

(2) [illegible] की परिभाषा लिखिए।

(3) [illegible] क्या है।

(4) [illegible] का अर्थ लिखें।

(5) [illegible] का क्या अर्थ है।

(6) [illegible] का नाम बताएँ।

(7) [illegible] का वर्णन लिखें।

(8) [illegible] क्या है।

(9) [illegible] का महत्व

(10) [illegible] क्या है।

(11) [illegible] क्या है।

(12) [illegible] क्या है।

(13) [illegible] की परिभाषा लिखिए।

(14) [illegible] है।

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY
B.ed. COLLEGE
(B.ed. & D.El.Ed. Course)
VILL- CHITRAGOPI, PO- PADRAWAN
PS- JAMHOR, DIST- Aurangabad 824101 (Bihar)

Internal Examination 201

Name of Student: MANISH KUMAR

Class Roll No: 56 Section Session: 2020-22

Subject / Paper: 22-7-2022 Date: 22-7-2022

Course (2) - Knowledge and curriculum

Examiner's Signature Invigilator's Signature 22/7/2022

(खण्ड - ग)

क

(क)(1) उत्तर — ज्ञान शब्द 'ज्ञा' से बना है जिसका अर्थ है जानना, बोध और अनुभव प्राप्त होता है। यदि किसी वस्तु जो हमारे आस पास है, के स्वभाव का अध्ययन करते हैं उसे ही जानना, अनुभव और बोध होना उस वस्तु का ज्ञान कहलाता है। सामान्य भाषा में कहें तो किसी वस्तु का सही जानकारी होना।

ज्ञान के उद्देश्य :-

(1) प्रयोगमूलक ज्ञान :- प्रयोजनवादी मानते हैं कि ज्ञान प्रयोग द्वारा प्राप्त होता है। विद्यार्थी को प्रयोग करके सीखना तथा किसी भी नियम को प्रयोग द्वारा समझाते हैं।

Scanned with OKEN Scanner

गाँधी जी चाहते थे कि
शिक्षार्थी ऐसी हो जो गाँव
को [illegible] [illegible] में
आत्मनिर्भर बना सके प्रत्येक
[illegible] कार्य करके अपने
की क्षमता विकसित कर
सके व जीवन की विभिन्न
आवश्यकताओं की पूर्ति के
लिए स्वावलंबी बना सके।
आधुनिक ग्रामीण की शिक्षा
के क्षेत्र में भी [illegible]
[illegible] की [illegible] वाले
और संस्कृति को [illegible]
लेने के पक्ष में थे।
गाँधी जी ने शिक्षा
के [illegible] पक्ष की
अपेक्षा सांस्कृतिक पक्ष को
अधिक महत्व दिया था
इसलिए वे सांस्कृतिक उद्देश्य
को ही मानव की
आत्मा का विकास
मानते थे। [illegible] गाँधी
जी का मानना था
गाँधी जी ने शिक्षा
के [illegible] हो उद्देश्य माना
[illegible] [illegible] [illegible] और [illegible]
शिक्षा को [illegible] [illegible]
बताया।

Q.5 प्रश्न - [illegible] [illegible] में -
निर्धारित शिक्षा के उद्देश्य
निश्चित होता है।

Q.6 प्रश्न पाठ्यक्रम की आवश्यकता :- निर्धारित
शिक्षा के उद्देश्य निश्चित होते
हैं इन निश्चित उद्देश्यों की
प्राप्ति के लिए क्रियाओं का
[illegible] इन क्रियाओं का सुनियोजित
[illegible] होना है। [illegible]
मार्ग जो इसी को [illegible]
[illegible] की आवश्यकता है।
पाठ्यक्रम शिक्षक की [illegible]
अंग्रेजी की [illegible] [illegible]
ले [illegible] है और [illegible]
[illegible] की [illegible] [illegible]
[illegible] हुई है [illegible]
विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था का
केन्द्र बिन्दु है। विद्यालय में
सुव्यवस्था लानी [illegible] [illegible]
विद्यालय [illegible] [illegible] [illegible]
की [illegible], [illegible] [illegible] [illegible]
शिक्षण सामग्री का [illegible]
[illegible] पाठ्यक्रम के [illegible]
विद्यालय में [illegible] [illegible]
पाठ्यक्रम

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर → [illegible] परमाणु [illegible] परमाणु [illegible] को संरक्षित [illegible] होती है इन्हें परमाणु [illegible] कहते हैं। [illegible] का [illegible] करने का [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] प्रणाली का [illegible] होता है। [illegible] किसी [illegible] के [illegible] [illegible] को [illegible] का [illegible] [illegible] है। [illegible] एक प्रकार की [illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible] भी किया जाता है।

[खण्ड स]

(1) उत्तर → [illegible]
(2) उत्तर → [illegible]
(3) उत्तर → (ब) उपर्युक्त सभी
(4) उत्तर → [illegible] राष्ट्रपति
(5) उत्तर → (द) [illegible] 6 [illegible]
(6) उत्तर → (अ) [illegible]
(7) उत्तर → (स) अनुच्छेद [illegible]
(8) उत्तर → (द) अनुच्छेद - 24
(9) उत्तर → अनुच्छेद - 14
(10) उत्तर → 1945 में

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] है। [illegible]

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY
B.ed. COLLEGE
(B.ed. & D.El.Ed. Course)
VILL- CHITRAGOPI, PO- PADRAWAN
PS- JAMHOR DIST- Aurangabad 824101(Bihar)
Internal Examination 201

66

Name of Student: MANISH KUMAR
Class Roll No: 56 Section: 'B' Session: 2020-22
Subject / Paper: C-1- Assessment for Learning Date: 23/11/2021

Examiner's Signature Invigilator's Signature

(उ.1) भिन्न व्यवहारवाद में व्यक्ति के व्यवहार का एक साधन के रूप में विश्लेषण किया जाता है। यह व्यवहारवादी प्रवृत्ति अपना ध्यान राजनीतिक व्यवहार पर केन्द्रित करती है और राजनीतिक व्यवहार के माध्यम से राजनीति, संगठन प्रक्रिया तथा संस्थाओं का वैज्ञानिक विश्लेषण करती है। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में राज्य [illegible] एवं शासन का परम्परागत [illegible] [illegible] रहा पर [illegible] हो गया है। व्यवहार का प्रयोग [illegible] [illegible] को [illegible] जाता है [illegible] [illegible] व्यवहारवाद [illegible] [illegible] का अपना [illegible] [illegible] केन्द्रित [illegible] है। व्यवहारवाद [illegible] [illegible] का अपना [illegible] [illegible] केन्द्रित करता है।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

6

6

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY
B.ed. COLLEGE
(B.ed. & D.El.Ed. Course)
VILL- CHITRAGOPI PO- PADRAWAN
PS- JAMHOR, DIST- Aurangabad 824101 (Bihar)
Internal Examination-201

Name of Student: मनीषा कुमारी

Class Roll No: 56 Section (B) Session: 2020-22

Subject/Paper: Exo- Creating Inclusive School Date: 25/7/2022

Examiner's Signature

Invigilator's Signature

खण्ड (अ)

प्र.1 उत्तर - विशिष्ट शिक्षा :- विशिष्ट शिक्षा से तात्पर्य अलग विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा है। इसका प्रयोग असामान्य उन बच्चों के लिए किया जाता है जो सामान्य बच्चों से अलग हो और निःशक्तता जैसी अन्य स्थितियों से पीड़ित होते हैं। विशिष्ट शिक्षा की परिभाषा से [illegible] [illegible] [illegible] और [illegible] के बीच [illegible] नहीं है।

विशिष्ट शिक्षा का अर्थ से तात्पर्य अलग विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा है। इसका प्रयोग असामान्य उन बच्चों के लिए किया जाता।

प्रकार [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] किया है।

[illegible] के [illegible] – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] नहीं [illegible]

[illegible] – [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है।

Q5. [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

[illegible]

[illegible]

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY
B.ed. COLLEGE
(B.ed. & D.El.Ed. Course)

VILL- CHITRAGOPI, PO- PADRAWAN
PS- JAMHOR, DIST- Aurangabad 824101 (Bihar)

Internal Examination 201—

Name of Student: MANISH KUMAR

Class Roll No: 56 Section: 'B' Session: 2020-22

Subject / Paper: C-11 (Health and Physical Education) Date: 26/7/2022

Examiner's Signature

Invigilator's Signature

25/40

खण्ड (अ)

Q1. शारीरिक शिक्षा का अभ्यास करने और उन्हें बढ़ावा देने का मुख्य लक्ष्य एक स्वस्थ व्यक्तियों का निर्माण करना है। जिनके पास शारीरिक रूप से जीवित और स्वस्थ गतिविधियों का आनंद लेने के लिए उचित कौशल और ज्ञान है।

शारीरिक शिक्षा से तात्पर्य शरीर से संबंधित शिक्षा प्रदान करना है यह शिक्षा सामान्यतः व्यायाम खेल साफ सफाई, दिन मनोरंजन, रहन-सहन गतिविधियों आदि के माध्यम से प्रदान की जाती है शारीरिक शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य छात्रों को स्वस्थ रखना ही है।

Scanned with OKEN Scanner

उद्देश्य → शिक्षा के प्रमुख उद्देश्य बालक का चरित्र का निर्माण करना होता है। चरित्र का अर्थ है संगठित इच्छा और इच्छा। निर्मल व्यक्ति अपने जीवन में कोई भी कार्य करता है। शिक्षा का उद्देश्य भी होना चाहिए।

Q7 प्रश्न → स्वास्थ्य शिक्षा :- स्वास्थ्य शिक्षा ऐसा साधन है जिसमें कुछ विशेष योग्य एवं शिक्षित व्यक्तियों की सहायता से जनता को स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान तथा अपने स्वास्थ्य एवं विभिन्न बीमारियों से बचने के उपायों का प्रचार किया जाता है। शारीरिक मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही स्वास्थ्य कहलाता है। किसी व्यक्ति की मानसिक, शारीरिक और सामाजिक रूप से अच्छे होने की स्थिति को स्वास्थ्य कहते हैं। स्वास्थ्य सिर्फ बीमारियों की अनुपस्थिति का नाम नहीं है।

उद्देश्य :- जन स्वास्थ्य एवं [illegible] की जानकारी देना [illegible] बुरी आदतों से अवगत कराना [illegible] उन्हें बताना कि [illegible] बीमारियों से बचा [illegible] के [illegible]

दुष्परिणाम को बताना है। विभिन्न प्रकार के खेलों के द्वारा स्वास्थ्य की क्रियाओं को बतलाना सिखाते कि इनसे सामुदायिकता की भावना का विकास हो सके एक स्वस्थ एवं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करना।

महत्व :- हमारे देश में स्वास्थ्य सुधार पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। साधारणतया स्वस्थ व्यक्ति वह माना जाता है जिसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो, मन एवं मस्तिष्क स्वस्थ हो [illegible] हो तथा स्वस्थ [illegible] रहता है। किसी भी कार्य को [illegible] में कुशलतापूर्वक करने के लिए व्यक्ति का स्वस्थ रहना आवश्यक है।

Q8 प्रश्न → योग शब्द युज धातु से बना है। संस्कृत व्याकरण में दो मूल धातुओं का उल्लेख है जिसमें एक का अर्थ जोड़ना तथा दूसरे का मन: समाधि अर्थात् मन की स्थिरता [illegible] से है। [illegible] योग का अर्थ [illegible] शारीरिक तथा मानसिक विकास

इस प्रकार योग तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में दोनों ही शब्दों की [illegible] हुई:- आधुनिक विद्वानों ने आध्यात्मिक क्षेत्र में योग शब्द का प्रयोग प्रायः बिन्दु-बिन्दु समाधि के [illegible] में योग शब्द का अर्थ यह हुआ है कि समाधि को ही योग कहते हैं। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत भाषा के युजिर् धातु से हुई है। जिसका अर्थ है संकलित होना या एक होना। इस परिभाषा का अर्थ जीवात्मा तथा परमात्मा का एकीकरण अथवा मनुष्य के व्यक्तित्व के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक तथा आध्यात्मिक पक्षों के एकीकरण को लिया जा सकता है।

योग एक कला है जो हमारे शरीर, मन और आत्मा को एक साथ जोड़ता है और हमें मजबूत और शांतिपूर्ण बनाता है। योग आवश्यक है क्योंकि यह हमें फिट रखता है, तनाव को कम करने में मदद करता है।

भाग 'ब'

प्र.3 उत्तर: प्राणायाम के प्रकार:- प्राणायाम के आठ प्रकार हैं। सूर्यभेदन, उज्जायी, शीतकारी, शीतली, भस्त्रिका, भ्रामरी, मूर्छा और प्लाविनी प्राणायाम आठ प्रकार के प्राणायाम हैं।

अर्थ:- प्राणायाम शब्द संस्कृत भाषा के दो शब्दों प्राण और आयाम से मिलकर बना है। संस्कृत में प्राण शब्द की उत्पत्ति प्र उपसर्गपूर्वक 'अन्' धातु से हुई है जिसका अर्थ जीवन शक्ति का द्योतक है। इस प्रकार प्राण शब्द का अर्थ चेतना शक्ति होता है। आयाम शब्द का अर्थ है नियमन करना। इस प्रकार प्राणायाम के नियम द्वारा प्राण को वश में करने की जो विधि है।

प्राणायाम के सिद्धान्त:-

(i) सर्वप्रथम किसी स्थिर ध्यानात्मक आसन में बैठना।

(ii) मेरुदण्ड की ग्रीवा एवं सिर को सीधा रखें और कन्धे नहीं झुकायें।

(iii) कुछ गहरी श्वासों के साथ शरीर को शिथिल करके

खण्ड – क

1 उत्तर → (ख) अर्जुन

(2) उत्तर → (ख) ~~[illegible]~~ नेहरू

(3) उत्तर → (घ) (c) 1967

(4) उत्तर → (ग) चीन

(5) उत्तर → (ग) 1971-72

(6) उत्तर → (ख) सिक्किम C

(7) उत्तर → (ग) [illegible] की

(8) उत्तर → (ड) पंचायती

(9) उत्तर → (ड) 12

(10) उत्तर → (c) 8

10

Scanned with OKEN Scanner

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY
B.ed. COLLEGE
(B.ed. & D.El.Ed. Course)
VILL- CHITRAGOPI, PO- PADRAWAN
PS- JAMHOR, DIST- Aurangabad 824101(Bihar)

Internal Examination 201

Name of Student: MANISH KUMAR

Class Roll No: 56 Section: 'B' Session: 2020-22

Subject / Paper: 07 (b) Pedagogy of School Subject (b) Physical Science Date: 27/3/2022

Examiner's Signature Invigilator's Signature 27/3/2022

खण्ड (अ)

1. उत्तर →

भौतिकी विज्ञान शिक्षण प्रकृति → भौतिकी विज्ञान की वह शाखा है जिसमें प्रकृति तथा ऊर्जा एवं उनकी पारस्परिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। भौतिकी के विस्तार के समक्ष यह परिभाषा बहुत ही व्यापक प्रतीत होती है। भौतिकी विज्ञान का यह क्षेत्र है जो एक सूक्ष्म परमाणु से लेकर सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में होने वाले परिवर्तन क्रियाओं प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करता है। भौतिकी विज्ञान का विस्तार इस पृथ्वी पर तथा कि उपलब्ध जानकारियों के अनुसार जीवन जाति एवं मानव से भी पहले से ही भौतिकी का

[illegible]

[illegible]

Physical Science के [illegible]

[illegible]

Scanned with OKEN Scanner

[illegible]

शिक्षण [illegible] भाषी [illegible]
के [illegible] के अनुसार
[illegible] विभिन्न [illegible] की
[illegible] [illegible] [illegible] है।
[illegible] [illegible] की [illegible]
[illegible] [illegible] है।

[illegible] विधि, [illegible]
[illegible] विधि, [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] विधि [illegible]
[illegible] विधि [illegible]

शिक्षण [illegible] की [illegible]
विधि [illegible] [illegible]
है कि [illegible] [illegible]
[illegible] विधि के [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] से [illegible]
[illegible] विद्यार्थियों को [illegible]
है। [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] है [illegible]
से [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] से [illegible]
[illegible] [illegible] है।

[illegible] (1) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] से
[illegible] [illegible] की [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] है।

[illegible] से [illegible] [illegible] है [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] की
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
है [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] से [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
की [illegible] की [illegible] के
[illegible] [illegible] [illegible] से
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
है।
[illegible] [illegible] से [illegible]
[illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] से [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
के [illegible] [illegible] है।

यह एक ऐसा आधार है [illegible]

[illegible]

(ग) [illegible]

[illegible]

(घ) [illegible] का महत्व — [illegible]

[illegible]

74.04 % [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

MAGADH UNIVERSITY ROLL NO - AUR-4522213087

DASHRATH PRASAD RAMNANDAN PANDEY

B.Ed. COLLEGE

(B.Ed. & D.El.Ed. Course)

VILL- CHITRAGOPI, PO- PADRAWAN

PS- JAMHOR, DIST-AURANGABAD (BIHAR)-824101

Internal Examination 2023

Name of Student: MANISH KUMAR

Class Roll No: 56 Section: B Session: 2020-2022

Subject / Paper: EPC-04 Date: 01/04/2023

Examiner's Signature Invigilator Signature

30

खण्ड 'क'

Q 1- उत्तर → मूल्य का तात्पर्य - मूल्य सामान्यतः किसी समाज में उपस्थित विभिन्न प्रतिमान है। जिनके अंतर्गत सामाजिक, आदर्श, व्यवहारिक प्रतिमानों, नैतिक नियमों सिद्धांतों आदि को सम्मिलित एवं स्वीकृत किया जाता है। इन मूल्यों को व्यक्ति द्वारा सामान्य स्वीकृति एवं महत्व दिया गया है। प्रत्येक व्यक्ति मूल्यों के आधार पर समाज में व्यवहारिक क्रियाएँ करता है।

आधुनिक शिक्षा में शिक्षा की प्रत्यामक अनुशासनहीनता, दिशाहीन नीति प्रणाली नैतिक शिक्षा का अभाव आदि होने के कारण इसमें ज्ञान एवं बुद्धि का अभाव पाया जाता है। अतः आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में

Scanned with OKEN Scanner

नवीन [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] शिक्षा [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] नैतिक [illegible] [illegible] [illegible]

वर्तमान समय में शिक्षकों [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] शिक्षक की भूमिका [illegible]
महत्वपूर्ण है। नैतिक मूल्यों [illegible]
[illegible] शिक्षा की [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] नैतिक
मूल्यों के [illegible] में शिक्षक
की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

शिक्षक की [illegible] [illegible]

(i) शिक्षक का कर्तव्य
(क) शिक्षा की भूमिका
(ख) शिक्षक में नैतिक मूल्यों की [illegible]
(ग) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]
(ii) शिक्षक के [illegible] मूल्यांकन
(क) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
(ख) [illegible] और [illegible] [illegible]
(ग) [illegible] [illegible] (घ) [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] नैतिक मूल्यों का
[illegible]।

प्रश्न 4 [illegible] शिक्षण कौशल से [illegible] - शिक्षण कौशल
[illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] की
[illegible] [illegible] शिक्षण [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] है।
शिक्षण [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] है। [illegible] [illegible]
[illegible] शिक्षण [illegible] [illegible] शिक्षक
को [illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] को
[illegible] [illegible] के [illegible] [illegible]
का [illegible] [illegible] है।

शिक्षण कौशल के उद्देश्य -

[illegible] [illegible] के [illegible] [illegible] शिक्षण
कौशल के [illegible] [illegible] है
(1) [illegible] शिक्षण [illegible] को [illegible]
[illegible] को [illegible]
(2) शिक्षण [illegible] [illegible] [illegible] को
[illegible] [illegible] [illegible] है
(3) [illegible] [illegible] के [illegible] में [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] है
(4) [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] के [illegible]
[illegible] को [illegible]
(5) शिक्षण कौशल के [illegible] [illegible] [illegible]
को [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] को
(6) [illegible] [illegible] शिक्षण [illegible] [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

[illegible]

(ii) '[illegible]'

[illegible] है।

[illegible]

(i) [illegible]
(ii) [illegible]
(iii) [illegible]
(iv) [illegible]
(v) [illegible]
(vi) [illegible]
(vii) [illegible]
(viii) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

• [illegible]

• [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] निम्नलिखित हैं

(i) [illegible]

(ii) [illegible]

(iii) [illegible]

(iv) [illegible]

(v) [illegible]

(vi) [illegible]

(vii) [illegible]

(viii) [illegible]

Scanned with OKEN Scanner

PICTURE DURING INTERNAL EXAM CONDUCTED

Principal
D.P.E.D. Ed College

Scanned with OKEN Scanner

PICTURE DURING INTERNAL EXAM CONDUCTED

Principal

College

Scanned with OKEN Scanner